

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून दिनांक: 13 सितम्बर, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून के अन्तर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून के पत्र संख्या 864 सी/भूमि-भवन/पी०यू०सी०/उ०खा० या०वो०/2007-08 दिनांक 24 अगस्त, 2007 के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु आयोजनागत मंजूर के अन्तर्गत उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम आदि हेतु भवन निर्माण योजनान्तर्गत उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के आवासीय एवं अनावासीय भवनों के निर्माण हेतु स्वीकृत धनराशि रुपये 465.00 लाख के सम्बन्ध शासनादेश संख्या 1126/VII-2/03-खादी/2006 दिनांक 27 मार्च, 2006 द्वारा रु० 65.80 लाख एवं शासनादेश संख्या 275/VII-2/07/03-खादी/2006 दिनांक 13 फरवरी, 2007 द्वारा रु० 60.00 लाख तथा शासनादेश संख्या 2742/VII-2/03-खादी/2006 दिनांक 24 जुलाई, 2007 द्वारा रु० 33.33 लाख की आपके निवेदन पर रखी गयी धनराशि के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु० 76,67,000/- (रु० छत्तर लाख सड़सठ हजार मात्र) की धनराशि के व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवेदन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का एकमुस्त आहरण कर खादी बोर्ड के माध्यम से निर्माण एजेंसी को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी। व्यय में भित्तिव्ययता निम्नता आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से वित्तीय नियमों का उल्लंघन होता हो यह करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट वैन्यूअल के नियमों का पालन भी सुनिश्चित किया जाय। उक्त धनराशि का उपयोग भवन निर्माण/आवास सम्बंधित परिव्यय के अनुरूप ही किया जायेगा।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या 1126/VII-2/03-खादी/2006 दिनांक 27 मार्च, 2006 में द्वागित शर्तों के अधीन किया जायेगा।

4- वर्षान्त तक स्वीकृत की गयी धनराशि के विपरीत व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं योजना की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण 31/3/08 तक शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के उपरान्त यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो दिनांक: 31.03.2008 तक शासन को समर्पित किया जायेगा। व्यय उन्हीं योजना/कार्य पर किया जाय जिन कार्यो हेतु यह स्वीकृत किया जा रहा है। स्वीकृत की जा रही धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं उक्त विवरण उपलब्ध कराये जाने के बाद ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

5- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-23, मुख्य लेखाशीर्षक 4851-ग्राम तथा लघु उद्योगों पर पूंजीगत परिव्यय, 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग, 06-उद्योग निदेशालय, राज्य औद्योगिक विकास निगम आदि हेतु भवन निर्माण-00, 24-बृहद निर्माण कार्य के नामे खाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 401/XXVII(2)/2007 दिनांक 7 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय

(हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 4670(1)/VII-2/03-खादी/2006 तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट), उत्तराखण्ड शासन।
6. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून।
7. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा सं.

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।